● अंतर बताओ :

४. कश्मीरा

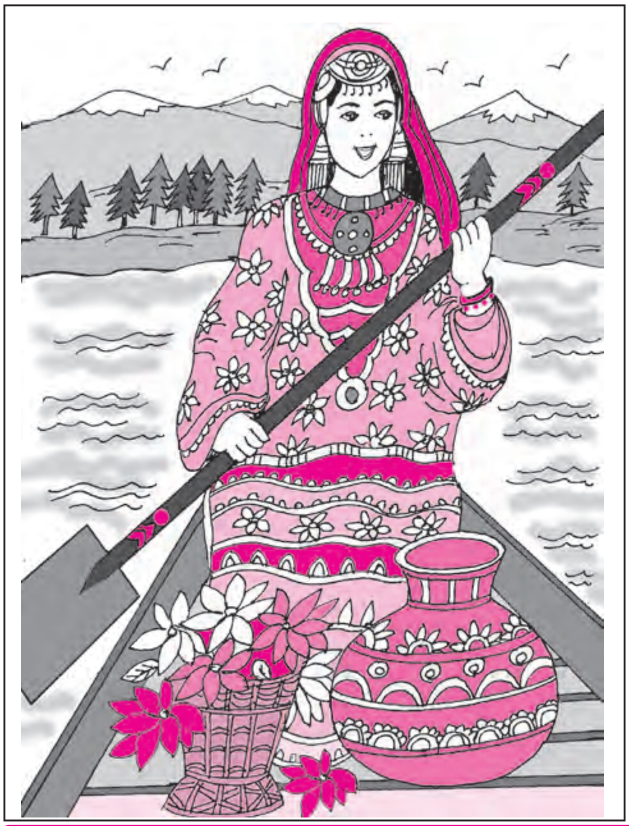

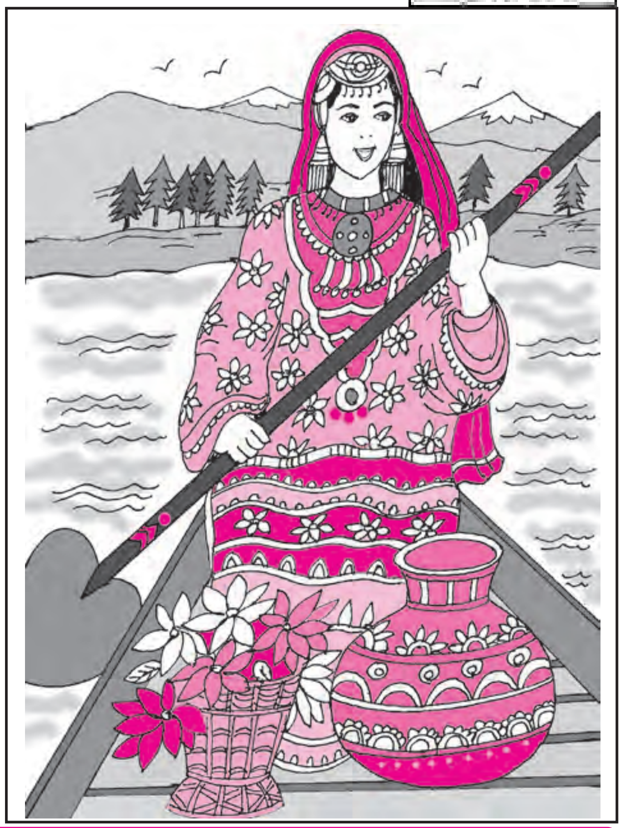

❑ विद्यार्थियों से दोनों चित्रों को ध्यान से देखकर इनमें दस अंतर बताने के लिए कहें । जम्मू-कश्मीर की बेटी के संबंध में जानकारी दें ।

पहचान हमारी

❑ **अध्यापन संकेत :** पहली इकाई, पाठ ५. पहचान हमारी-भाग (१) के **पृष्ठ ६ एवं ७** में वर्णमाला का आधा भाग अध्ययन-अनुभव के लिए है । शेष वर्णमाला पाठ ११. पहचान हमारी-भाग (२) के **पृष्ठ १३ एवं १४** पर दी गई है । अध्यापन संकेत समझकर विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । संपूर्ण पाठ्यसामग्री का मूल उद्देश्य वर्णमाला के वर्णों (स्वर, व्यंजन) तथा मात्रा और उनके चिह्नों की पहचान करवाना है । निरंतर अभ्यास द्वारा इनका दृढ़ीकरण करवाएँ । श्रवण-वाचन का बार-बार अभ्यास एवं स्वयं अध्ययन अपेक्षित है । गुट में प्रत्येक वर्ण की बारहखड़ी लिखवाएँ ।

(१) पृष्ठ ६, ७, १३, १४ पर ऊपर दाहिनी ओर स्वर दिए गए हैं । इनकी मात्राएँ बड़े चित्रों द्वारा पढ़ाना अपेक्षित है ।

(२) सर्वप्रथम इन पृष्ठों पर दिए गए चित्रों का निरीक्षण करने के लिए कहें ।

(३) बड़े चित्रों और मोटे अक्षरों के माध्यम से वर्णों का परिचय करवाएँ फिर मात्राओं को समझाएँ ।

(४) पुनरावर्तन के लिए ऊपर दिए गए प्रत्येक वर्ण का क्रम बदलकर छोटे चित्रों में शब्द दिए गए हैं । ये शब्द मात्रावाले भी हैं । विद्यार्थियों को केवल वर्ण पहचानने और रेखांकित करने के लिए कहें ।

(५) प्रत्येक पृष्ठ के नए वर्णों का परिचय करवाएँ तथा उस पृष्ठ पर आए हुए स्वर और मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें, लिखवाएँ और आकलन कराएँ । 'पढ़ो' के लिए दिए गए शब्दों का सुलेखन और श्रुतलेखन करवाएँ ।

(६) प्रत्येक पृष्ठ पर नीचे दिए गए शब्द, मात्राओं को पहचानने और दिए गए वर्णों के साथ उन्हें जोड़कर पढ़ने के लिए हैं । पहली पंक्ति बिना मात्रावाली, दूसरी पंक्ति पूर्व पृष्ठ की मात्रावाली (पृ. ६ छोड़कर) तथा तीसरी पंक्ति में उसी पृष्ठ की मात्राएँ लगाकर फिर दोनों मात्राएँ साथ लगाकर कई शब्द दिए गए हैं । इन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर स्वयं पढ़ें और विद्यार्थियों से अनुवाचन करवाएँ । तत्पश्चात प्रत्येक विद्यार्थी से मुखर और मौन वाचन करवाएँ । **इन शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है ।**